

द स्टेटस ऑफ वुमेन इन एग्रीफूड ससिस्टम्स: FAO

प्रलिम्स के लयि:

[FAO](#), [लैंगकि समानता](#), [कृषिखाद्य प्रणाली](#), [SDG](#), [कोवडि-19](#), [CAC](#), [WFP](#) ।

मेन्स के लयि:

द स्टेटस ऑफ वुमेन इन एग्रीफूड ससिस्टम्स ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [खाद्य और कृषि संगठन \(Food and Agriculture Organization- FAO\)](#) ने [कृषि क्षेत्र](#) में [लैंगकि समानता](#) के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए "द स्टेटस ऑफ वुमेन इन एग्रीफूड ससिस्टम्स" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है ।

प्रमुख बडि

- **लैंगकिता आधारति बाधाएँ:**
 - महिलाएँ कृषि कार्यबल में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखती हैं, जो वैश्विक कृषि श्रम शक्ति का लगभग 40% हसिंसा है। हालाँकि महिलाओं को अक्सर महत्त्वपूर्ण लैंगकिता आधारति बाधाओं का सामना करना पडता है जो संसाधनों, प्रौद्योगिकी एवं बाजारों तक उनकी पहुँच को सीमति करती हैं, साथ ही उनकी उत्पादकता तथा आय को प्रभावति कर सकती हैं ।
- **अपरविरत्ति अंतराल:**
 - हाल के वर्षों में भले ही महिलाओं ने डजिटल तकनीक और वत्तितीय सेवाओं जैसे कुछ संसाधनों तक अधिक पहुँच प्राप्त की है, फरि भी कई क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं हेतु अंतराल बना हुआ है या इसमें वृद्धि देखी जा रही है ।
 - [कोवडि-19](#) महामारी के बाद से महिलाओं और पुरुषों के बीच खाद्य सुरक्षा को लेकर अंतर 4.3% हो गया है, जबकि तुलनात्मक रूप से ग्रामीण महिलाओं के बीच खाद्य असुरक्षा काफी अधिक देखी गई है ।
- **अतरिकित चुनौतयि:**
 - जटलि लैंगकि मानदंडों और भूमिकाओं, असमान शक्तिवितरण और भेदभावपूर्ण सामाजिक संरचनाओं के परिणामस्वरूप महिलाओं एवं लडकयिों को पुरुषों तथा लडकों की तुलना में अधिक बाधाओं का सामना करना पडता है ।
 - [जलवायु परिवर्तन](#), आर्थिक कारण और कीमतों में गरिावट, संघर्षों तथा [लंगि आधारति हसिंसा](#) के बढते जोखमिों से उत्पन्न अन्य चुनौतयि महिलाओं की प्रगत में अधिक बाधाएँ उत्पन्न करती हैं ।
- **महिलाओं की सीमांत भूमिकाएँ:**
 - आजीविका और परिवारों के कल्याण के लयि कृषि-खाद्य प्रणालयिों में महिलाओं के महत्त्व के बाद भी वे हाशयि पर हैं, साथ ही पुरुषों की तुलना में उन्हें अधिक खराब स्थिति में कार्य करना पडता है जसिमें अनयिमति, अनौपचारिक, अंशकालिक, कम-कुशल, श्रमकि-गहन आदि स्थतयिों शामिल हैं ।

सुझाव:

- कृषि-खाद्य प्रणालयिों में लैंगकि अंतर को समाप्त करने से विकासशील देशों में कृषि उत्पादकता में 4 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है, जो वैश्विक [GDP \(सकल घरेलू उत्पाद\)](#) को 2 प्रतिशत तक बढा सकती है । उत्पादकता और आय में यह वृद्धि गरीबी एवं भुखमरी को कम करने तथा [खाद्य सुरक्षा](#) व पोषण में सुधार करने में सहायता कर सकती है ।
 - लैंगकि अंतर को कम करने और महिलाओं को सशक्त बनाने से वैश्विक GDP में 1 प्रतिशत/ लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होगी ।
- [सतत विकास लक्षयों \(SDGs\)](#), विशेष रूप से SDG-2 की प्राप्ति के लयि कृषि-खाद्य प्रणालयिों में लैंगकि समानता आवश्यक है, जसिका उद्देश्य भुख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा एवं बेहतर पोषण प्राप्त करना और स्थायी कृषि को बढावा देना है ।
- यह सतत विकास लक्ष्य 5, जसिका उद्देश्य लैंगकि समानता और सभी महिलाओं तथा लडकयिों को सशक्त बनाना है, को प्राप्त करने के लयि भी महत्त्वपूर्ण है ।

- लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले और कृषि क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने वाली ऐसी और भी नीतियों एवं कार्यक्रमों की आवश्यकता है।
- महिलाओं को अपनी आजीविका बढ़ाने के लिये आवश्यक पशुधन, जल, बीज, भूमि, प्रौद्योगिकी और वित्त तक अधिक पहुँच तथा नियंत्रण की आवश्यकता है।

खाद्य और कृषि संगठन:

- **परिचय:**
 - खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में **संयुक्त राष्ट्र संघ** के तहत की गई थी, यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
 - प्रत्येक वर्ष विश्व में 16 अक्टूबर को **विश्व खाद्य दिवस** मनाया जाता है। यह दिवस FAO की स्थापना की वर्षगाँठ की याद में मनाया जाता है।
 - यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली) में स्थित है। इसके अलावा **विश्व खाद्य कार्यक्रम** और कृषि विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय कोष (IFAD) भी इसमें शामिल हैं।
- **FAO की पहलें:**
 - **विश्व स्तरीय महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (GIAHS)**।
 - विश्व में **मरुस्थलीय टडिडी** की स्थिति पर नज़र रखना।
 - FAO और WHO के खाद्य मानक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के मामलों के संबंध में **कोडेक्स एलेमेंट्रिस आयोग (CAC)** उत्तरदायी निकाय है।
 - खाद्य और कृषि के लिये **प्लांट जेनेटिक रिसोर्स पर अंतरराष्ट्रीय संधि** को वर्ष 2001 में FAO के 31वें सत्र में अपनाया गया था।
- **फ्लैगशिप पब्लिकेशन (Flagship Publications):**
 - वैश्विक मत्स्यपालन और एक्वाकल्चर की स्थिति (SOFIA)।
 - विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)।
 - **वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)।**
 - खाद्य और कृषि की स्थिति (SOFA)।
 - कृषि कोमोडिटी बाज़ार की स्थिति (SOCO)।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. FAO पारंपरिक कृषि प्रणालियों को 'सार्वभौमिक रूप से महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (Globally Important System 'GIAHS')' की हैसियत प्रदान करता है। इस पहल का संपूर्ण लक्ष्य क्या है? (2016)

1. अभिनिर्धारित GIAHS के स्थानीय समुदायों को आधुनिक प्रौद्योगिकी, आधुनिक कृषि प्रणाली का प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान करना ताकि उनकी कृषि उत्पादकता अत्यधिक बढ़ जाए।
2. पारितंत्र-अनुकूल परंपरागत कृषि पद्धतियाँ और उनसे संबंधित परदृश्य (लैंडस्केप), कृषि जैवविविधता और स्थानीय समुदायों के ज्ञानतंत्र का अभिनिर्धारण एवं संरक्षण करना।
3. इस प्रकार चिह्नित अभिनिर्धारित GIAHS के सभी भिन्न-भिन्न कृषि उत्पादों को भौगोलिक सूचक (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) की हैसियत प्रदान करना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ